an>

Title: Need to give mushroom production the status of Agricultural production.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मशरूम के बारे में आग्रह करना चाहता हूं कि जो मशरूम पैदा की जाती है, वह घास-फूस और तुड़ी से, खासकर धान की पराली से जो खाद बनायी जाती है, उसमें उसको पैदा किया जाता है। स्वास्थ की दृष्टि से, सब्जी की दृष्टि से, और एक अच्छा न्यूट्रियस फूड होने के नाते, मशरूम आज देश के विभिन्न भागों में पैदा किया जाता है। मैं यह कहना चाहता हूं कि केन्द्र की सरकार मशरूम उत्पाद को कृषि का दर्जा देगी तो उत्पादकों को भी लाभ मिलेगा। आज बहुत से प्रदेशों में इस उत्पाद को कृषि का दर्जा दिया गया है, जिससे वहां के लोगों को काफी लाभ मिल रहा है। मैं हिमाचल प्रदेश से चुन कर आया हूं, वहां भी इसे कृषि का दर्जा दिया गया है। क्योंकि, उन उत्पादकों का यह कहना है कि प्रदेश में इसे कृषि का दर्जा देने से उनको कोई खास फायदा नहीं मिल रहा है। अगर केन्द्र सरकार इसे कृषि का दर्जा दे देगी तो कृषि उत्पाद होने के नाते इससे इनकम टैक्स में जो रिबेट मिलता है, वह मिलेगा। इसलिए मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि मशरूम को एग्रीकल्चरल प्रोडयूस डिक्लेयर किया जाए ताकि इसका प्रोडक्शन ज्यादा हो, इसका ज्यादा से ज्यादा बैनीफिट लोगों को मिल सके, लोगों को न्युट्रिशियस फूड मिल सके। धन्यवाद।